वैश्विक शिखर सम्मेलन 2023 में वक्ताओं ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए संयुक्त प्रयास विषय पर किया मंथन

वसुधैव कुटुम्बकम भाव से नये युग का सूत्रपात संभव

शांतिवन। चार दिन चले वैश्विक शिखर सम्मेलन के छः सत्रों में देश-विदेश से आईं जानी-मानी हस्तियों ने चिंतन-मंथन कर निष्कर्ष निकाला कि वसुधैव कुटुम्बकम की भावना और 'एक ईश्वर-विश्व एक परिवार' के ज्ञान के आधार पर ही नए युग की संकल्पना साकार हो सकती है। अध्यात्म-राजयोग का परमात्म दिव्य ज्ञान ही नए युग का सूत्रपात कर सकता है।

उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम वैदिक काल से हमारी परिपाटी है। भारत ने कभी भी राजसत्ता के लिए साम्राज्यवादी विचारधारा से दूसरे देशों पर आक्रमण नहीं किया है।

यहां से ज्ञान की बूंदें लेकर जाता हूँ

गुजरात के वरिष्ठ पत्रकार तुषार प्रभु ने कहा कि शांतिवन सिर्फ एक स्थान नहीं बल्कि ज्ञान का एक सागर है। जहाँ से मैं हमेशा ज्ञान की कुछ बूंदें अपने साथ लेकर जाता हूँ। जब तक हम अपने आप को नहीं बदलेंगे तब तक दुनिया में बदलाव नहीं ला सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ से ज्ञान लेने के बाद मेरी सोच, नज़रिया और कर्म सबमें आश्चर्यजनक बदलाव आया। यह सब राजयोग मेडिटेशन के कारण ही संभव हो सकता। अब सदा खुश रहता हूँ।

बिज़नेसमैन ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित यूएसए के लैप ग्रुप के ऑपरेशन एवं सेल्स के वाइस प्रेसिडेंट पीटर कुमार ने कहा कि इस सम्मेलन में भाग लेना भाग्य की बात है।

बीसीसीआई और आईपीएल के मेम्बर कमेटी सदस्य पी.वी. शेट्टी ने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता, खेल में सफल होने के लिए मानसिक रूप से मजबूत होना ज़रूरी है।

पुणे के एमआईटी-डब्ल्यूपीयू ग्रुप के संस्थापक प्रो. डॉ. विश्वनाथ के. कराद ने कहा कि शिकागो में पहली बार स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति का संदेश दिया था।

हज़ारों किसानों ने अपनाई यौगिक खेती

कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा ब्र.कु. सरला दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ ने यह लक्ष्य रक्षा है कि देश की शान किसानों को सशक्त किया जाए। इसके लिए अनुसंधान कर यौगिक खेती, ऋषि खेती पद्धति विकसित की गई है। इसका प्रशिक्षण देकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

प्रकृति ने हमें सबकुछ दिया है

पोद्दार ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ के चेयरमैन आनंद पोद्दार ने कहा कि हमारे पास प्रकृति ने सबकुछ दिया है, फिर हम क्यों आयुर्वेद से एलोपैथी की ओर जा रहे हैं। जब हम ग्रीन बैग बना सकते हैं तो प्लास्टिक बैग क्यों यूज़ कर रहे हैं। इसमें हमें स्वयं को चेंज करने की ज़रूरत है। ब्रह्माकुमारीज़ से अच्छी कोई जगह नहीं हो सकती है, जहाँ आत्मा और परमात्मा का ज्ञान मिल रहा है।

बाह्य जगत का आधार आंतरिक जगत

ब्रह्माकुमारीज़ मुम्बई की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. दिव्यप्रभा दीदी ने कहा कि हमारे आंतरिक जगत में जो परिवर्तन हो रहे हैं, उसका असर भौतिक दुनिया में दिखता है। जैसा हमारा आंतरिक जगत होता है, वैसा ही बाह्य जगत होता है।

अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का मुख्य संदेश है- ईश्वर एक है, विश्व एक परिवार है। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने भी अपने विचार रखे।

मुम्बई मुलुंद की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. गोदावरी दीदी, रशिया सेवाकेन्द्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार जयदीप कार्निक, मूल्य शिक्षा कार्यक्रम के निदेशक डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि ने वैल्यू एजुकेशन के एमओयू के बारे में विस्तार से बताया। फरीदाबाद के विधायक नीरज शर्मा, एजुकेशन विंग की अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मधुरवाणी ग्रुप ने गीत प्रस्तुत किया। संचालन एजुकेशन विंग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. शिविका बहन ने किया। ब्र.कु. सुप्रिया बहन, ज्ञानामृत पत्रिका के मुख्य संपादक ब्र.कु. आत्मप्रकाश भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

रामा नृत्य निकेतन सिकंदराबाद की बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

सफलता के लिए समर्पण भाव हो

उ.प्र. के राज्यमंत्री व बीज निगम के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने कहा कि जब हम ज्ञान का अनुकरण करेंगे तो समाज आगे बढ़ेगा। जीवन तभी सफल होगा जब हम श्रद्धा भाव, समर्पण भाव से कार्य करेंगे। यहां 70 साल, 100 साल की माताएं-बहनें निःस्वार्थ भाव से सेवा में लगी हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री ने किया पांडव भवन का अवलोकन

पाण्डव भवन। उत्तराखंड के उच्च शिक्षा मंत्री धनसिंह रावत के पाण्डव भवन पहुंचने पर राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. नीलम बहन, खेल प्रभाग के संयोजक ब्र.कु. मेहर चंद, ब्र.कु. लक्ष्मी चंद, ब्र.कु. सुरेंद्र व संगठन के अन्य सदस्यों ने उनका स्वागत किया। मंत्री ने संगठन की गतिविधियों को देखते हुए संगठन के संस्थापक ब्रह्मा बाबा की तपस्या स्थली कुटिया, हिस्ट्री हॉल और बाबा के कमरे का अवलोकन किया तथा ब्रह्मा बाबा की स्मृति में बने शांति स्तम्भ पर मानवीय कल्याण हेतु अंकित महावाक्यों का अध्ययन कर दो मिनट मौन रहकर ध्यान-योग किया।

तीन शख्सियतों को राष्ट्र चेतना पुरस्कार से नवाज़ा

सम्मेलन में नई दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार सरफराज़ सैफी, रायपुर के वरिष्ठ पत्रकार हिमांशु द्विवेदी और राजस्थान के स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एंबेसेडर व जाहोता के सरपंच श्याम प्रताप राठौर को ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, केंद्रीय मंत्री भगवंत खुबा और कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई ने राष्ट्र चेतना पुरस्कार प्रदान किया। सभी का शॉल, प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो देकर सम्मान किया गया।

आत्मा को परमात्मा से मिलने पर ही मिलेगा सुकून

- नई दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार सरफराज़ सैफी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ जो कार्य देश-दुनिया में कर रही है उसे और तेज़ करने की ज़रूरत है। आज सभी को सुकून की ज़रूरत है और हमें सुकून आत्मा को परमात्मा से मिलाने पर ही मिलेगा।

इंसान को इंसान बना रहा ये संस्थान

- रायपुर के वरिष्ठ पत्रकार हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि कोई भी युग हो ज्ञान वही दिव्य है जो हर युग में शाश्वत हो, सत्य हो और सदा बना रहे। सबसे ज़रूरी है कि हम इंसान बने रहें। आठ दशक में ब्रह्माकुमारीज़ की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि समाज में संवेदनाओं को जागृत रखा है। संस्था इंसान को इंसान बना रही है।

सरपंच द्वारा ग्राम में सकारात्मक पहल

- राजस्थान के स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एंबेसेडर श्याम प्रताप राठौर ने कहा कि हमने ग्राम में पचास हज़ार पौधे लगाए। महिलाओं को आगे बढ़ाने में कदम उठाए। लोगों को मूल्यों से जोड़ने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान से जोड़ने की नींव रखी।

किसने क्या कहा...

- आईसीसीआर के उपाध्यक्ष और नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट के निदेशक व मूर्तिकार अद्वैत चरण गणनायक ने कहा कि मैंने जीवन में जो कुछ सीखा है, प्रकृति से ही सीखा है। मैं पत्थर से दोस्ती करके, बात करके मूर्ति बनाता हूँ। पहले सभी का प्रकृति से एक रिश्ता था लेकिन आज हम सब भूलते जा रहे हैं। प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं।

- बिरीहन मुम्बई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के ट्री ऑफिसर जितेंद्र परदेसी ने कहा कि हम मुम्बई में प्रकृति बचाने के लिए काफी प्रयास कर रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज़ के साथ मिलकर सभी गार्डन में रोज़ योग-प्राणायाम सिखाया जाता है। साथ ही पाँच लाख पेड़ लगाए गए हैं।

- नई दिल्ली डीआरडीओ के स्पिक के निदेशक एम. मनिकावासगम ने कहा कि यदि हमें प्रकृति को बचाना है तो केमिकल के उपयोग को कम करना होगा।

- मेडीकैप्स यूनिवर्सिटी इंदौर के कुलपति आर.सी. मित्तल ने कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग का कारण हम लोग ही हैं। सभी से अनुरोध है कि क्लाइमेट चेंज के प्रति दयालु बनें। अपने गुस्से को कंट्रोल में रखें तो इससे प्रकृति को बचाने में मदद मिलेगी।

- हैदराबाद के एनएसएल ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के चेयरमैन एम. प्रभाकर राव ने कहा कि हम अपने मूल सिद्धान्तों को भूलते जा रहे हैं जिसका परिणाम है कि ग्लोबल वॉर्मिंग की ओर बढ़ रहे हैं।

- तेलंगाना के पुलिस उप आयुक्त मधुकर स्वामय, इंडिया वन सोलर थर्मल पॉवर प्लांट के निदेशक ब्र.कु. गोलो जे. प्लज, नई दिल्ली हरिनगर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी, शिक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सुमन बहन ने भी विचार व्यक्त किए। स्वागत भाषण मूल्य शिक्षा कार्यक्रम के निदेशक डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि भाई ने दिया। हैदराबाद की ईशा स्कूल ऑफ आर्ट की बालिकाओं ने फ्यूज़न क्लासिकल डांस की प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। संचालन नई दिल्ली की ब्र.कु. नेहा बहन व अहमदाबाद की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. नेहा बहन ने किया। आभार कटक के समन्वयक ब्र.कु. नथमल व वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. प्रकाश भाई ने माना।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th Oct, 2023
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org